राजेन्द्र पारीक

सत्यमेव जयते

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय के सौजन्य से उद्योग विभाग दिनांक 17 जनवरी, 2011 से 06 फरवरी, 2011 तक 'नेशनल हैण्डलूम एक्सपो-2011' का आयोजन जयपुर में किया जाकर देश के विभिन्न प्रांतो एवं संस्थानों के बुनकरों द्वारा निर्मित हाथकरघा वस्त्रों का प्रदर्शन कर बिक्री की जा रही है।

यह भी अत्यन्त हर्ष का विषय है कि बुनकरों को केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली हाथकरघा सुविधाओं की विभिन्न योजनाओं संबंधी जानकारी हेतु उद्योग विभाग द्वारा इस मेले के दौरान ''बुनकर कार्यशाला'' का आयोजन भी किया जावेगा। केन्द्र व राज्य सरकार की हाथकरघा योजनाओं की एक पुस्तिका बुनकरों को वितरित की जायेगी जिससे उन्हें हाथकरघा योजनाओं की नवीन तकनीकी एवं बाजार विपणन संबंधी जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।

मैं इस आयोजन की सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

राजेन्द्र पारीक
उद्योग मंत्री एवं आबकारी मंत्री
राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

राजहंस उपाध्याय

संदेश

हाथकरघा उद्योग देश में कृषि के पश्चात एक बहुत बड़े वर्ग को उनके कार्य स्थान पर ही रोजगार उपलब्ध कराने का प्रमुख साधन है। देश के कुल कपड़ा उत्पादन में हाथकरघा उद्योग महत्वपूर्ण योगदान करता है एवं वहीं इस उद्योग से देश के निर्यात को भी बल मिला है।

राजस्थान में भी हाथकरघा उद्योग एक प्रमुख स्थान रखता है, राज्य में स्थापित हाथकरघों में से लगभग 80 प्रतिशत करघे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हैं। राज्य का उद्योग विभाग राज्य में हाथकरघा के सर्वांगीण विकास के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बुनकरों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रहा है।

बुनकरों के कल्याण हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी हेतु ''बुनकर कार्यशाला'' एवं बुनकरों द्वारा उत्पादित वस्त्रों के विपणन हेतु इस ''नेशनल हैण्डलूम एक्सपो-2011'' का आयोजन अत्यधिक लाभकारी होगा। इस अवसर पर हाथकरघा बुनकरों की योजनाओं एवं विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी हेतु प्रकाशित पुस्तिका बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

पुस्तिका के प्रकाशन में हाथकरघा प्रकोष्ठ के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

आयोजन की सफलता की कामना सहित।

राजहंस उपाध्याय IAS
आयुक्त, उद्योग
राजस्थान

नेशनल हैण्डलूम एक्सपो-2011 जयपुर का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेन्द्र पारीक, उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार एवं श्री राजहंस उपाध्याय, आई.ए.एस., आयुक्त उद्योग, राजस्थान एवं अन्य अतिथिगण

नेशनल हैण्डलूम एक्सपो-2011 जयपुर के शुभारम्भ के अवसर पर दीप प्रज्जवलित करते हुए मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेन्द्र पारीक, उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार एवं श्री राजहंस उपाध्याय, आई.ए.एस., आयुक्त उद्योग, राजस्थान एवं अन्य अतिथिगण

नेशनल हैण्डलूम एक्सपो-2011 में मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेन्द्र पारीक, उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार
एवं आयुक्त उद्योग श्री राजहंस उपाध्याय, आई.ए.एस. एवं अन्य अतिथिगण प्रवेश करते हुए

नेशनल हैण्डलूम एक्सपो-2011 का अवलोकन करते हुए मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेन्द्र पारीक, उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार
एवं आयुक्त उद्योग श्री राजहंस उपाध्याय, आई.ए.एस. एवं अन्य अतिथि एवं अधिकारीगण

नेशनल हैण्डलूम एक्सपो-2011 जयपुर में मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेन्द्र पारीक, उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार का स्वागत करते हुए
श्री राजहंस उपाध्याय, आई.ए.एस., आयुक्त उद्योग एवं श्री एस.एस. शाह, संयुक्त निदेशक, उद्योग एवं महाप्रबन्धक उद्यम प्रोत्साहन संस्थान

नेशनल हैण्डलूम एक्सपो-2011 के थीम पेवेलियन में हाथ करघा उत्पादों का अवलोकन करते हुए
मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेन्द्र पारीक, उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार एवं डॉ. मोहनलाल यादव, उपशासन सचिव, उद्योग

नेशनल हैण्डलूम एक्सपो-2011 के थीम पेवेलियन में हाथ करघा उत्पादों का अवलोकन करते हुए
मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेन्द्र पारीक, उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार एवं आयुक्त उद्योग श्री राजहंस उपाध्याय, आई.ए.एस.,
श्री वाई.एस. दुबे, उपनिदेशक (हाथकरघा) एवं अन्य अधिकारीगण

थीम पेवेलियन में हाथकरघा वस्त्रों पर डिजाईन विधियों व रंगो का अवलोकन करते हुए माननीय श्री राजेन्द्र पारीक
उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार एवं श्री डी. आर. गुप्ता, उपनिदेशक बुनकर सेवा केन्द्र (भारत सरकार),
श्री राजहंस उपाध्याय, आयुक्त उद्योग, आई.ए.एस., श्री वाई.एस. दुबे, उपनिदेशक (हाथकरघा)
एवं डॉ. मोहनलाल यादव, उपशासन सचिव, उद्योग, राजस्थान सरकार

हाथकरघा के प्रमुख क्लस्टर

1. कोटा, झालावाड़, बूंदी (1. कैथून 2. भण्डाना 3. दरा 4. कोटसुंआ 5. मांगरोल 6. ब्यावर 7. असनावर)
   कोटा डोरिया साड़ियां/कपड़ा
2. चूरू (1. बीदासर 2. दरीबा 3. धनेरू 4. बरडासर 5. रतनगढ़ 6. दूंकर)
   ऊनी शॉल, खेस तौलिया, पट्टू, बरडी।
3. अजमेर (1. जूनियां 2. देवगांव 3. बघेरा 4. लबेरा, 5. केकड़ी 6. ब्यावर)
   खेस, रेजी, तौलिया, रंगीन चादर, जाटी साड़ी, दरी–पट्टिया, गूजरी साड़ी
4. पाली (1. सोजत, 2. बिलावास (सौजत) 3. कोलीबाड़ा 4. कोटड़ी 5. देसूरी 6. बगड़ीनगर)
   खेस, टॉवल, पट्टू, गमछा
5. जैसलमेर (1. कबीर बस्ती 2. मेघा 3. देवा 4. कूचडी 5. रामगढ़ 6.काटोडी 7. देवगुड़ा 8. गोमठ 9. सेउआ 10. पोकरण 11. गुहडा)
   चूनड़ी (टाई–डाई), राजीव शॉल, लेडीज शॉल, बरडी, कम्बल।
6. दौसा (1. जसौता 2. भांडारेज 3. राजावास 4. थूमड़ी 5. छारेड़ा 6. जीरोता)
   दरियां, हैण्डलूम वस्त्र।
7. बीकानेर (1. नापासर 2. झज्जू 3. लूणकरणसर)
   ऊनी शॉल, कम्बल, लोई
8. भरतपुर (1. कुम्हेर 2. बयाना 3. वेर 4. डीग)
   स्वाफी, अंगोछे (गमछा), चादर, दरी–पट्टी
9. भीलवाड़ा (1. बनेड़ा 2. आसीन्द 3. रायपुर 4. शाहपुरा 5. वराना 6. पालड़ी 7. धौली 8. नुवालिया)
   दरी, फर्श, रेजा, टावल, चादर
   शहरी क्षेत्र – (दादाबाडी, कोलीमोहल्ला, सांगानेर व पुर)
   टेरीकोट बेडशीट, टावल, शर्टिंग–सूटिंग, खेस व दरी।
10. जयपुर (1. बस्सी 2. गोविन्दगढ 3. चाकसू 4. आमेर)
   रनिंग क्लॉथ, खेस, टॉवल, चादर, दरी।
11. टोंक (1. निवाई 2. उनियारा 3. देवली 4. डाबरकलां 5. फुलेता 6. बोरखंडी)
   सूती दरी, नमदे।
12. अलवर (1. लीली 2. खेड़ली रेल 3. कठूमर 4. राजगढ़ 5. रामगढ़ 6. समूची नारायणपुर 7. पिनान, 8. बिलेटा 9.अलावड़ा)
   ग्रे क्लाथ, स्वाफी, फर्श, खादी कपड़ा, रेजा, पगड़ी, पौंचा कपड़ा।
13. सीकर (1. धोद 2. फतेहपुर 3. खण्डेला 4. दिवराला 5. भैरूपुरा 6. पुराछोटी 7. सीकर)
   खेस (ऊनी, सूती), रजाई–गद्दा खोल, दरी–पट्टी, ऊनी कम्बल
14. श्री गंगानगर (1. श्री करणपुर 2. वडींगा 3. रूपनगर 4. मठीली राठान 5. कालिया 6. घडसाना)
   खेस, लोई, केशमीलॉन शॉल।
15. जालौर (1. लेटा 2. भैंसवाड़ा 3. बुदाऊ 4. जलातरा)
   खेस, तौलिये, छोटी दरी
16. जौधपुर (1. औसियां 2. मथानियां 3. आसोपा 4. भोपालगढ़ 5. आऊं 6. लूनी 7. भटेवड़ी 8. खींचन 9. ढासानिया 10. सालावास)
   ऊनी पट्टू, कम्बल, दरी, जाटा साड़ी
17. नागौर (1. रेवा 2. कालियावास 3. मूंडवा 4. साटिकला खुर्द 5. दातिना 6. कुचामन 7. मडपुरा, 8. टांकला)
   जाटू साड़ी, ऊनी कम्बल, शॉल, चादर, दरियां।
18. राजसमन्द (1. खटामला 2. भामाखेड़ा 3. कुन्डिया)
   रेजा एवं कम्बल बुनाई।
19. बाड़मेर (1. रानीगांव 2. सीलगण 3. धनाऊ 4. विशाला)
   रेजा कम्बल।

राजस्थान के हाथकरघा वस्त्र उत्पादन केन्द्र

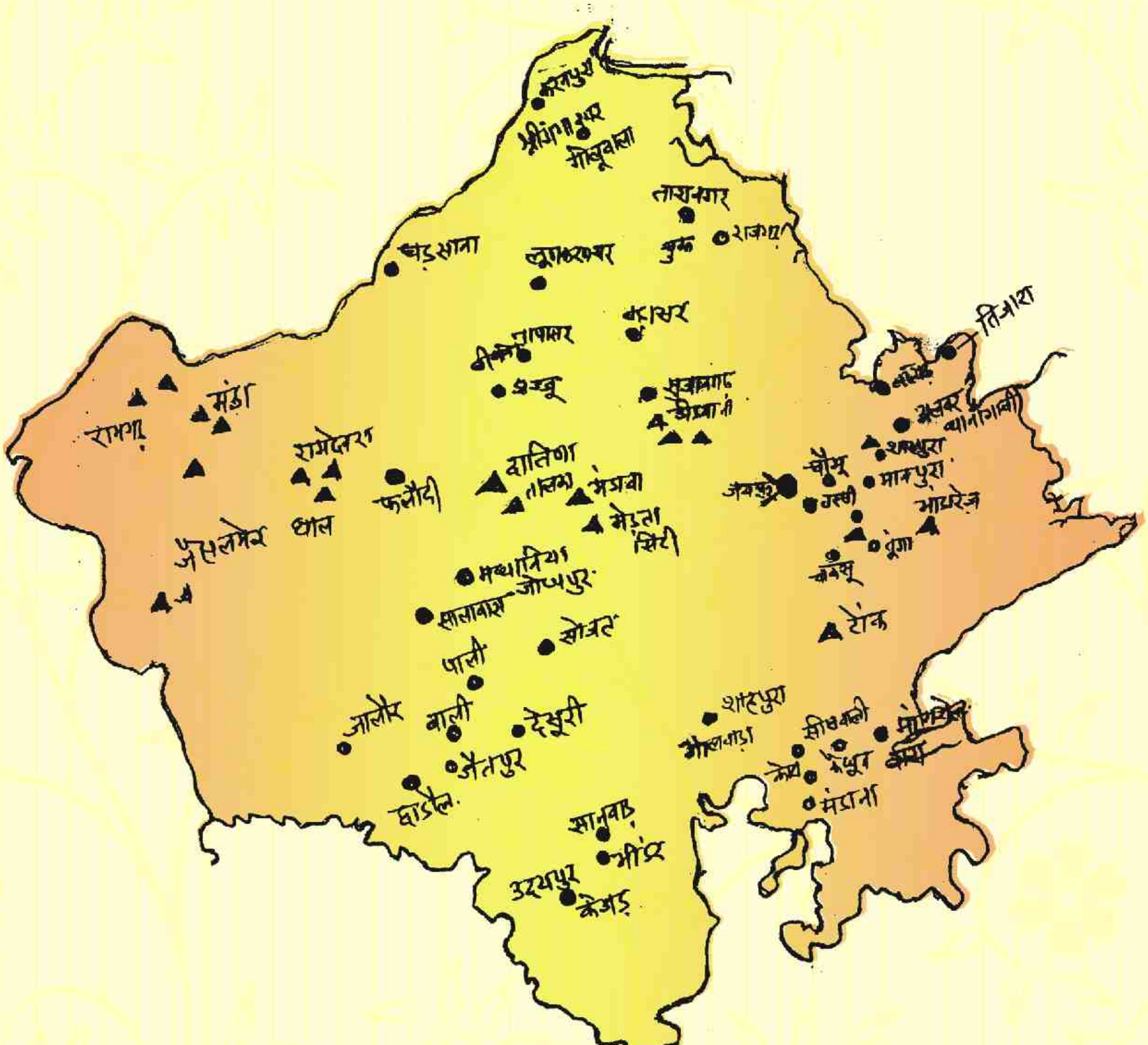

▲ हाथकरघा वस्त्र उत्पादन के क्लस्टर
● हाथकरघा ऊनी वस्त्र उत्पादन के क्लस्टर